मध्यकालीन विश्व

पा.सं.	अध्याय शीर्षक	कौशल	क्रियाकलाप
2	मध्यकालीन विश्व	समालोचनात्मक, रचनात्मक सोच, समस्या समाधान	हड़प्पा कलाकृतियों को देखने एवं म्यूजियम के भ्रमण तथा हड़प्पा से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों जैसे राखीगढ़ी, कालीबंगा आदि के भ्रमण द्वारा हड़प्पा सभ्यता को जानना एवं समझना

अर्थ

रोमन साम्राज्य के पतन के बाद यूरोपीय समाज में परिवर्तन हुआ तथा एक नए धर्म, इस्लाम के उदय से एक नए विशाल साम्राज्य की पश्चिमी एशिया में स्थापना हुई जो विश्व के एक बड़े भाग में फैल गया। मध्यकाल को मध्य युग भी कहा जाता है। यह काल प्राचीनकाल के बाद तथा आधुनिक काल से पहले का था।

सामंतवाद: राजनीतिक, सैन्य और सामाजिक-आर्थिक पहलू

- सांमतवाद, राजनीतिक प्रभुसत्ता का एक श्रेणीबद्ध संगठन था, इसकी संरचना एक सीढ़ी जैसी थी।
- इसके शीर्ष पर राजा था। जिसके नीचे ड्यूक और अर्ल थे।
- उनके नीचे थे छोटे सांमत जो बैरन कहलाते थे, तथा उनके नीचे नाइट थे जोकि निम्नतम कोटि के थे।
- वेसल (मातहत): वह व्यक्ति जो अपने से उच्च व्यक्ति के प्रति वफादारी के कारण उसका मातहत था। उसको उपयोग के लिए भूमि दी जाती थी।
- वेसल (मातहत) अपने सांमत की जीवन प्रयंन्त सेवा करने का वचन देता था तथा मुख्यत सैन्य सेवा में भी शामिल होता था।
- सांमतो के नियंत्रण वाली समूची जमीन मेनर (गढ़ी) कहलाती थी।
- मेनर आत्म निर्भर आर्थिक ईकाई थी। इसका अर्थ है कि प्रतिदिन उपयोग में लाई जाने वाली सभी वस्तुओं का उत्पादन इसी पर किया जाता था।

रोमन साम्राज्य का पतन

- पश्चिमी प्रांतों की राजधानी रोम थी तथा पूर्वी प्रांतों की कुस्तुनतुनिया थी।
- गॉथ, वंडल, विसीगॉथ तथा फ्रैंक जैसे विभिन्न जर्मेनिक कबीलों के आक्रमणों के बाद पश्चिम में रोमन साम्रज्य का पतन हुआ।

सांमती अर्थव्यवस्था में परिवर्तन: मध्यकालीन युरोप में खुशहाली तथा संकट

- रोमन साम्राज्य के पतन के कुछ सदियों बाद भी आर्थिक जीवन का स्तर निम्न रहा।
- शहरी जीवन, व्यापार तथा मुद्रा विनिमय में गिरावट आई
- कृषि में इस्तेमाल होने वाली तकनीक पिछड़ी हुई थी और कृषि उत्पादन कम था।

- इस दौरान शिक्षा कुछ चुनिंदा लोगों का ही विशेषधिकार बनी रही। आम लोगों को कोई औपचारिक शिक्षा नहीं दी जाती थी। शिक्षा का माध्यम लेटिन था जिसकी जानकारी केवल पादरी वर्ग को ही थी।

मध्यकाल में अरब सभ्यता

- अरब, रेगिस्तानों का एक प्रायद्वीप है। इस्लाम के उदय से पहले ज्यादातर अरब बद्दू जाति के थे, अर्थात ऊँट पर घूमने वाले चरवाहे थे।
- अरब, अफ्रीका और एशिया के बीच व्यापार करने के लिए आने जाने वाले कारवों के लिए सुरक्षित रास्ता बन गया। मक्का सबसे महत्वपूर्ण था जो कुछ व्यापार मार्गों के संधिस्थल पर था।
- इस्लाम का प्रसार करने वाले पैगम्बर मोहम्मद का जन्म मक्का में 570 ई. में कुरैशी कबीले मे हुआ था। बड़ा होकर वह एक खुशहाल सौदागर बना। उन्होने एक ध नी विधवा खदीजा के लिए व्यापार किया जिससे बाद में उन्होने शादी भी कर ली।
- इस्लाम शब्द का अर्थ है ईश्वर के समक्ष संपूर्ण समर्पण तथा धर्म का पालन। इसके अनुयायी मुस्लिम या मुसलमान कहलाए।

समाज तथा संस्कृति

- अरब दर्शन पुराने यूनानी दर्शन पर आधारित था विवेकशीलता में यकीन रखने वाले दार्शनिकों ने यूनानी दर्शन को आगे बढ़ाया। उन्होनें खगोलशास्त्र और चिकित्सा मे खासा काम किया

मध्यकालीन भारतीय सभ्यता 8वीं तथा 10वीं शताब्दी

- 8वीं तथा 10वीं शताब्दी के बीच उत्तर में पाल, प्रतिहार तथाा राष्ट्रकुल, दक्षिण में चोल

राजनीतिक क्रम

- उत्तर भारत में 13वीं शताब्दी तक तुर्को ने अपना शासन स्थापित कर लिया था
- तुर्क शासक सुलतान कहलाते थे तथा दिल्ली को राजधानी बना कर शासन किया
- उनका साम्राज्य दिल्ली सल्तनत कहलाया, जिनके खिलजी तथा तुगलक वंश थे।
- दक्षिण में विजयनगर और बहमनी दो शक्तिशाली राज्य थे।
- 16वीं शताब्दी के आरम्भ में भारतीय इतिहास में मुगलों से एक नया युग प्रारम्भ होता है।

राजनीतिक संस्थाएँ

- मुगलों ने मनसबदार नियुक्त किए जो सैन्य तथा नागरिक जिमेदारियां निभाते थे।

अर्थ व्यवस्था

- दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य किसानों के कृषि उत्पादन की अतिरिक्त उपज पर आधारित थे तथा इस अतिरिक्त उत्पादन को राजस्व के रूप में वसूलते थे।
- गुप्त वंश के बाद व्यापार और वाणिज्य में हुई गिरावट का इस समय में पुनः उद्धार हुआ।

सांस्कृतिक तथा धार्मिक जीवन

- मध्यकाल में धर्म और संस्कृति के क्षेत्र में परंपराएं आपस में बहुत घुल मिल गई।
- धर्म के क्षेत्र में भक्ति और सूफी आंदोलन उभरे।
- भाषा, साहित्य, कला, वास्तुकाल, संगीत, और नृत्य पर भी विभिन्न परंपराओं के संशलेषण का प्रभाव पड़ा।
- मुगलों के संरक्षण में चित्रकला को राजसी कारखानों में व्यवस्थित किया गया। कलाकरों को राज्य द्वारा वेतन दिया जाता था।
- सांस्कृतिक जीवन का एक मज़ेदार पहलू हिन्द-इस्लामी वास्तुकला में उजागर होता है। महराब और गुम्बद को घण्टियों, स्वास्तिक, कमल, कलश जैसे हिन्दू प्रतीको से जोड़ा गया
- भक्ति तथा सूफी परंपराओं ने भी भक्ति संगीत की नई शैली को गति दी।

स्वयं का मूल्यांकन कीजिए

प्र. सांमती लार्ड का वेसल (मातहत) के साथ सम्बन्ध का 30 शब्दो में वर्णन कीजिए?

प्र. अरब में इस्लाम का संस्थापक कौन था?

प्र. मुगल काल के मशहूर चित्रकारों के नाम लिखिए।